



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 133]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 11, 1986/चैत्र 21, 1908

No. 133]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 11, 1986/CHAITRA 21, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1986

आदेश

का. आ. 188(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./86:—
भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)
के आदेश सं. का. आ. 267(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./
78, तारीख 13 अप्रैल, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स श्री दुर्गा काटन
स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स लिमिटेड, कोल्हापुर, जिला हुगली
पश्चिमी बंगाल नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध,
उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951
(1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड
(ख) के अन्तर्गत 12 अप्रैल, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख
भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया
गया था और भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक लिमिटेड,

भूतपूर्व भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण निगम लिमिटेड बलकत्ता,
को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए
प्राधिकृत किया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास
विभाग) के आदेश सं. का. आ. 291(अ)/18कक/आई.डी.आर.
ए./83, तारीख 12 अप्रैल, 1983, द्वारा उक्त आदेश की अवधि
को 12 अक्टूबर, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी
सम्मिलित है छह मास की और अवधि के लिए बढ़ाया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास
विभाग) के आदेश सं. का. आ. 728 (अ)/18कक/
आई.डी.आर.ए./83, तारीख 11 अक्टूबर, 1983, द्वारा
उक्त आदेश की अवधि को, 12 अक्टूबर, 1984 तक की
जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है एक वर्ष की और अवधि
के लिए बढ़ाया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास
विभाग) के आदेश सं. का. आ. 784 (अ)/18कक/

आई.डी.आर.ए./84, तारीख 11 अक्टूबर, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को, 12 अप्रैल, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है छह मास की और अवधि के लिए बढ़ाया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. वा. आ. 326(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./85, तारीख 12 अप्रैल, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को 12 अक्टूबर, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है छह मास की और अवधि के लिए बढ़ाया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. वा. आ. 745(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./85, तारीख 11 अक्टूबर, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अवधि को, 12 जनवरी, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन मास की और अवधि के लिये बढ़ाया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. वा. आ. 13(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./86 तारीख 9 जनवरी, 1986 द्वारा, उक्त आदेश की अवधि को, 12 अप्रैल, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन मास की और अवधि के लिये बढ़ाया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक, उप क्रमरतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंगलिमिटेड, कलकत्ता के प्रबंध के अधीन 12 जुलाई, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन मास की और अवधि के लिए बना रहे ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 वा 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता है कि उक्त आदेश 12 जुलाई, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा ।

[फ.सं. 3(3)/80-सी.यू.एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 11th April, 1986

ORDERS

S.O. 188(E)|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 267(E)|18AA|IDRA|78, dated the 13th April, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Sri Durga Cotton Spinning and Weaving Mills Limited, Konnagar, District Hooghly, West Bengal, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and inclusive of the 12th April, 1983 and the Industrial Reconstruction Bank of India Limited, erstwhile Industrial Reconstruction Corporation of India

Calcutta, was authorised to take over the management of the said Industrial Undertaking :

And, whereas, by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 291(E)|18AA|IDRA|83, dated the 12th April, 1983, the period of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 12th October, 1983;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 728(E)|18AA|IDRA|83, dated the 11th October, 1983, the period of the said order was extended for a further period of one year upto and inclusive of the 12th October, 1984;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 784 (E)|18AA|IDRA|84, dated the 11th October, 1984 the period of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 12th April, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 326(E)|18AA|IDRA|85, dated the 12th April, 1985 the period of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 12th October, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 746(E)|18AA|IDRA|85, dated the 11th October, 1985 the period of the said Order was extended for a further period of three months upto and inclusive of 12th January, 1986;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 13(E)|18AA|IDRA|86, dated the 9th January, 1986, the period of the said Order was extended for a further period of three months upto and inclusive of 12th April, 1986;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Industrial Reconstruction Bank of India Limited, Calcutta, for a further period of three months upto and inclusive of the 12th July, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 12th July, 1986.

[File No. 3(3)|80-CUS.]

का.आ. 189(अ)/18क/आईडीआरए/86—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. वा. आ. 506(अ)/18क/आई.डी.आर.ए./78, तारीख 18 अगस्त, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 वा 65) की धारा 18 क की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, संपत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों, पंचाटों, स्थायी/आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित है) जिसमें मैसर्स श्री दुर्गा काटन स्पिनिंग एंड वीविंग मिल्स

लिमिटेड, कोन्नगर, जिला हुगली, पश्चिमी बंगाल नामक उक्त औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू है, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलंबित रहेगा और उक्त तारीख से पहले उसके अधीन प्रौद्योगिक या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ और दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ;

और केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि जनसाधारण के हित में यह आवश्यक है कि उक्त आदेश का प्रभाव पूर्वोक्त एक वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् जारी रहे, 12 अप्रैल, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए ऐसे जारी रहने के लिए, समय-समय पर घोषणा जारी की थी [देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक विकास विभाग के आदेश सं. का. आ. 455 (अ)/18चख/आई डी आर ए/ 79, तारीख 9 अगस्त, 1979, का. आ. 628(अ)/18 चख/आईडी आर ए/80, तारीख 18 अगस्त, 1980, का. आ. 651 (अ) /18चख/ आई डी आर ए/81, तारीख 18 अगस्त, 1981, का. आ. 600(अ)/18 चख/आई डी आर ए/82, तारीख 17 अगस्त, 1982, का. आ. 292 (अ)/18चख/आई डी आर ए/83, तारीख 12 अप्रैल, 1983, का. आ. स. 729(अ)/18चख/आई डी आर ए/83, तारीख 11 अक्टूबर 1983, का. आ. सं. 785(अ) /18चख/आई डी आर ए/ 84 तारीख, 11 अक्टूबर, 1984, का. आ. 328(अ)/18चख/आई डी आर ए/85, तारीख 12 अप्रैल, 1985, का. आ. 747 18चख/ आई डी आर ए/85, तारीख 11 अक्टूबर, 1985 ; और का. आ. 14(अ) /18 चख/आई डी आर ए/86, तारीख 9 जनवरी, 1986]

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को 12 जुलाई, 1986 तक की और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाए ;

और अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को 12 जुलाई, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए बढ़ाती है।

[फा. सं. 3 (3)/80-सी. यू. एस.]

S.O. 189(E)|18FB|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 506 (E)|18FB|IDRA/78, dated the 18th August, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of the issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial under-

taking known as Messrs Sri Durga Cotton Spinning and Weaving Mills Limited, Konnagar, District Hooghly, West Bengal, is a party of which may be applicable to the said industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all rights, privileges, obligations and liabilities, accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is necessary in the interest of the general public that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of one year aforesaid, had declared from time to time, for such continuance, for a further period upto and inclusive of the 12th April, 1986 (vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry) Department of Industrial Development Nos. S.O. 455 (E)|18FB|IDRA/79, dated the 9th August, 1979,—

S.O. 628(E)|18FB|IDRA|80, dated the 18th August, 1980.
S.O. 651 (E)|18FB|IDRA|81, dated the 14th August, 1981.
S.O. 600(E)|18FB|IDRA|82, dated the 17th August, 1982
S.O. 292(E)|18FB|IDRA|83, dated the 12th April, 1983.
S.O. 729(E)|18FB|IDRA|83, dated the 11th October, 1983.
S.O. 785(E)|18FB|IDRA|84, dated the 11th October, 1984.
S.O. 328(E)|18FB|IDRA|85, dated the 12th April, 1985.
S.O. 747(E)|18FB|IDRA|85, dated the 11th October, 1985
S.O. 14(E)|18FB|IDRA|86, dated the 9th January, 1986;
and

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 12th July, 1986.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 12th July, 1986.

[F. No. 3(3)/80-Cus.]

का. आ. 190(अ)/18कक/आई डी आर ए/86—भारत सरकार उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के का. आ. 790(अ)/तारीख 9 नवम्बर, 1982 द्वारा यथा "संशोधित आदेश सं. का. आ. 734(अ)/18कक/आई डी आर ए/82 तारीख 12 अक्टूबर, 1982 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स कान्ति काटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, सुरेन्द्र नगर, गुजरात नामक संपूर्ण उपक्रम का प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन 11 अप्रैल, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है" छह मास की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और गुजरात राज्य वस्त्र निगम को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

और उक्त आदेश की अवधि को, का. आ. 285(अ)/18कक/आई डी आर ए/83 तारीख 11 अप्रैल, 1983 द्वारा 11 अक्टूबर, 1983 तक; का. आ. सं. 725(अ)/18कक/आई डी आर ए/83 तारीख 11 अक्टूबर, 1983 द्वारा 11 अप्रैल, 1984 तक; का. आ. 279(अ)/18कक/आई डी आर ए/84 तारीख 11 अप्रैल, 1984 द्वारा 11 अक्टूबर, 1984 तक; का. आ. 786(अ)/18कक/आई डी आर ए/84 तारीख 11 अक्टूबर, 1984 द्वारा 11 अप्रैल 1985 तक ;

का.आ. 300 (अ)/18 कक/आई डी आर ए/85, तारीख 11 अप्रैल, 1985 द्वारा 11 अक्टूबर 1985 तक और का.आ. 729(अ)/18कक/आई डी आर ए/85, तारीख 8 अक्टूबर, 1985 द्वारा 11 अप्रैल 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम गुजरात राज्य वस्त्र निगम के प्रबंध के अधीन 11 जुलाई 1986 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन मास की और अवधि के लिए बना रहे;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपाधारा(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 11 जुलाई, 1986 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा.सं. 3(1)/82-सी-यू एस]

ए.पी. सरवन, संयुक्त सचिव

S.O. 190(E)|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 734(E)|18AA|

IDRA|82, dated the 12th October, 1982, as amended vide S.O. 790(E) dated 9th November, 1982 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole undertaking known as Messrs Kanti Cotton Mills Private Limited, Surendranagar Gujarat, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of 6 months upto and inclusive of the 11th April, 1983 and the Gujarat State Textile Corporation was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, the duration of the said order was extended upto and inclusive of the 11th October, 1983, by S.O. 285(E)|18AA|IDRA|83, dated the 11th April, 1983; upto 11th April, 1984, by S.O. 725(E)/18AA/IDRA/83, dated the 11th October, 1983; upto 11th October, 1984, by S.O. 279(E)|18AA|IDRA|84, dated the 11th April, 1984; upto 11th April, 1985, by S.O. 786(E)|18AA|IDRA|84, dated the 11th October, 1984, upto 11th October, 1985 by S.O. 300(E)|18AA|IDRA|85, dated the 11th April, 1985 and upto 11th April, 1986 by S.O. 729(E)|18AA|IDRA|85, dated the 8th October, 1985;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Gujarat State Textile Corporation for a further period of three months upto and inclusive of the 11th July, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 11th July, 1986.

[F. No. 3(1)|82-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.